भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 881
दिनांक 29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय महत्व की स्वास्थ्य संस्थाएं विधेयक, 2023

881. डॉ. रिकी ए. जे. सिंगकोण:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान संस्थान (एनईआईजीआरआईएचएमएस) को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई) घोषित करने हेतु सभा में राष्ट्रीय महत्व की स्वास्थ्य संस्थाएं विधेयक, 2023 को पुरःस्थापित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो एनईआईजीआरआईएचएमएस की क्षमताओं में वृद्धि करने और उत्तर पूर्व की विशिष्ट स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे किन अतिरिक्त संसाधनों अथवा सुविधाओं का आवंटन किए जाने की संभावना है;

(ग) उक्त विधेयक को कब तक पुरःस्थापित किए जाने की संभावना है;

(घ) एनईआईजीआरआईएचएमएस में विभिन्न पदों (चिकित्सकों और नर्सों दोनों) के लिए कुल कितने पद स्वीकृत हैं और उन्हें किस प्रकार भरा गया है; और

(ङ) विगत 10 वर्षों के दौरान कितने डॉक्टरों और नर्सों ने एनईआईजीआरआईएचएमएस को छोड़ा है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान (एनईआईजीआरआईएचएमएस) मेघालय सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1983 के तहत शिलांग में 1987 में स्थापित एक अति विशिष्ट शिक्षण संस्थान है। एनईआईजीआरआईएचएमएस को एम्स, नई दिल्ली और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ जैसे स्नातकोत्तर चिकित्सा विज्ञान संस्थान बनाने का इरादा है। वर्तमान में

एनईआईजीआरआईएचएमएस को आईएनआई का दर्जा प्राप्त नहीं है। किसी चिकित्सा संस्थान को आईएनआई का दर्जा मिलने पर अधिक स्वायत्तता मिलती है, जिससे वह स्वतंत्र रूप से नए पाठ्यक्रम शुरू कर सकता है, सीटें बढ़ा सकता है और अपेक्षाकृत अधिक संकाय आदि को आकर्षित कर सकता है, जिससे संस्थान की बेहतर स्वास्थ्य सेवा और शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करने की क्षमता बढ़ जाती है।

(घ): इस संस्थान में संकाय, नर्सिंग संकाय, चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ रेजिडेंट और जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों और नर्सिंग संवर्गों के स्वीकृत पदों की कुल संख्या 1363 है और इन्हें संबंधित पदों के भर्ती नियमों के प्रावधानों के अनुसार सीधी भर्ती या पदोन्नति की विधि से भरा जाता है।

(ङ): पिछले दस वर्षों के दौरान एनईआईजीआरआईएचएमएस को छोड़ने वाले डॉक्टरों और नर्सों की संख्या क्रमशः 36 और 53 है।